‘हानूश’ का नैनीताल में सफतलतापूर्वक मंचन

महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्विद्यालय, वर्धा तथा महादेवी वर्मा सृजनपीठ, कुमाऊँ विश्विद्यालय, नैनीताल (उत्तराखंड) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ‘भीष्म साहनी का रचना संसार’ विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हाल ही में सम्पन्न हुई। इस संगोष्ठी में विश्विद्यालय के प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं रंगमंच) विभाग द्वारा भीष्म साहनी का बहुचर्चित नाटक ‘हानूश’ का मंचन नैनीताल के शैले ऑडिटोरियम (नैनीताल क्लब) मल्लीताल में किया गया।

इस नाट्य प्रस्तुति योजना के संरक्षक कुलपति प्रो गिरीश्वर मिश्र थे। प्रस्तुति की परिकल्पना

एवं निर्माण प्रति कुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा द्वारा किया गया था। प्रस्तुति संयोजन डॉ. शोभा पालीवाल ने किया। प्रस्तुति के मार्गदर्शक प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं रंगमंच) विभाग विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा थे।

‘हानूश’ नाटक का निर्देशन प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं रंगमंच) विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. सतीश पावड़े ने किया। सहायक निर्देशन नितप्रिया प्रलय ने किया। मंच विन्यास तथा सह निर्देशन सौरभ गुप्ता ने किया। संगीत निर्देशन आलोक निगम ने किया। वस्त्र सज्जा दीप्ति ओगारे, मंच आलोकन सुहास नगराले, रूप सज्जा भाग्यश्री राऊत ने की। निर्माण प्रबंधन आशीष कुमार, नितप्रिया प्रलय, राजू बावणे, धीरेंद्र कुमार ने किया।

मुख्य भूमिकाओं में मेघा देशमुख , सद्दाम हुसैन, कंचन, सुनील गावस्कर, ब्रिजनाथ सिंह, जितेंद्र कुमार, केतन सोनी, विद्यासागर देवके, राजशेखर बिन्द, सुभाष कुमार भारती, आलोक निगम

आदि थे। निर्माण सहयोग मनीष कुमार, ज्योति सिंह, प्रगति मिरगे, हेमा ठाकरे, डॉ. हिमांशु नारायण तथा उमेश कुमार ने दिया।

नाटक के निर्देशक डॉ. सतीश पावड़े कहते हैं "हानूश नाटक एक कालजयी कृति है,सत्ता का सार्वकालिक चरित्र इसके अंतर्गत प्रभावी रूप में निहित है। नाटक का कथ्य आज भी प्रासंगिक है।

कॉर्पोरेट दुनियाँ के परिप्रेक्ष्य में अपनी टिप्पणी और कटाक्ष द्वारा यह नाटक अपनी प्रासंगिकता को

मुखर करता है। शिल्प यथार्थवादी ,सरल सपाट होने पर एक निर्देशक के लिए नाटक का मुख्य स्वर पकड़ना और उसे स्थापित करना बड़ी चुनौतीपूर्ण कार्य है , जिसे बतौर निर्देशक मैंने बखूबी निभाने का पूरा प्रयत्न किया है। इस प्रस्तुति के देखने के लिए विश्व विद्यालय के प्रोक्टर तथा साहित्य विद्यापीठ

के अध्यक्ष प्रो.सूरज पालीवाल, एसोसिएट प्रोफ़ेसर प्रीति सागर, स्त्री अध्ययन विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुप्रिया पाठक, तथा सहायक प्रोफ़ेसर अमरेन्द्र शर्मा , रामानुज अस्थाना , बीरपाल सिंह आदि मान्यवर उपस्थित थे.